

Governor of Maharashtra, has been given the additional charge of my State. The work in Goa has been hampered because the administration is totally in disorder. I talked to His Excellency, the Governor of Maharashtra. He informed me that he was more busy in Maharashtra not only because he was Governor, but he was also Chairman of two Development Boards.

I have raised this matter with various Prime Ministers of the United Front Government. This is happening only during the regime of the United Front Government. I talked to the former Prime Minister, Shri Deve Gowda. He assured me that he would appoint a Governor for Goa. Again I talked to Shri Gujral yesterday.

We have important functions. For example, this 15th of August is going to be the Golden Jubilee of our Independence. The Governor is supposed to host a public reception. No Governor is present in my State. More so, as I have said, the administration is out of control. Some politicians have taken things in their hands. The oath of secrecy is being violated. Their sons are being allowed to clear Government files. Kitchen cabinets are being formed. Their wives are presiding over them.

It will be appropriate to have a Governor in every State. There is so much of unemployment in the country. Why is this Government not acting? There are seven vacancies in this very House. Seven Members of Parliament are to be nominated by the Rashtrapati. That has not yet been done.

So, I ask of the hon. Minister to bring this to the notice of the Government and the Prime Minister and to see that Governors are appointed. I am not talking about Ambassadors. About fifty posts of Ambassador are vacant. At least the Offices of Governors should be filled by the 15th of August because this is the Golden Jubilee of our Independence.

## SITUATION ARISING OUT OF MURDER OF A TRADE UNION LEADER OF MAIHAR CEMENT FACTORY IN MADHYA PRADESH

श्री जलालुद्दीन अंसारी (बिहार): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं एक दुखद घटना की ओर आपके माध्यम से और सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। ऐतिहासिक नगरी मेहर जो शिक्षा, शान्ति और सद्भावना के लिए बरसों से प्रसिद्ध है, उस नगरी में 27 मई को आईएनटीएन्यूसी के नेता श्री रमेश तिवारी की हत्या कर दी गई जब वहां 30 तारीख की आम सभा की तैयारी कर रहे थे। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि वे उस मेहर सीमेंट फैक्टरी के कर्मचारी भी थे लेकिन उनको हटा दिया गया था लेकिन इटक के लीडर थे और उसी की तैयारी में मां शारदा देवी के मन्दिर के पास एक गांव है वहां कुछ लोगों से मिलने गये थे। वहां से जब लौट रहे थे तो सीमेंट फैक्टरी के सुरक्षा प्रहरी की जीप पहुंची, उनको वहीं रोक कर इतना बुरी तरह से पिटाई की कि उनकी अस्पताल में मृत्यु हो गई। मैं वहां खुद भी गया था 27 तारीख को। सीमेंट फैक्टरी के सामने किसानों और मजदूरों का प्रदर्शन और सम्मेलन था। मैं आपको बता दूँ कि वहां मेरी पार्टी की कोई यूनिट नहीं है लेकिन जिस तरह की घटना घटी और उनकी हत्या हुई और वहां के लोगों का कहना है, यहां तक कि पत्रकारों का भी कहना है कि उनका इलाज अस्पताल में सही तरीके से नहीं किया गया, अगर किया जाता तो बच सकते थे। उसी के विरोध में 29 तारीख को डेला ग्राम में जो करीब 5-6 किलोमीटर दूर है वहां से जुलूस निकला। असंतोष स्वाभाविक था लेकिन पुलिस और प्रशासन इतना निष्क्रिय था या दूसरे शब्दों में मैं यह कहना चाहता हूँ कि मेहर सीमेंट फैक्टरी के प्रबन्धन के साथ था। इस हत्या में जो लोग दोषी पाए जाएंगे उनके विरुद्ध कार्यवाही करने का आश्वासन दे कर के भीड़ को पहले ही डिस्पर्स किया जा सकता था लेकिन कोई बड़ा पुलिस अधिकारी और प्रशासन का अधिकारी नहीं था और वह भीड़ जब थाने पर गई तो उसी समय सुरक्षा गार्ड की गाड़ी भी पहुंच गई। स्वाभाविक है कि जिस पर आरोप था पीट कर हत्या करने का तो उतेजना फैली लेकिन नियम यह कहता है कि भीड़ अगर उत्तेजित हो जाए तो उसको हटाने के लिए चेतावनी देनी चाहिये, हवाई फायर करना चाहिये, आंसू गैस का इस्तेमाल करना चाहिये लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं किया गया। वहां पर 23 राउंड गोलीयाँ चलाई गईं जो पुलिस ने भी क्यूल किया है और उस मौके पर 5 लोग घटना स्थल पर ही मारे गये जिनमें दो मेहर सीमेंट

फैक्टरी के मजदूर और तीन रहगोर थे। एक और व्यक्ति की मृत्यु अस्पताल में हो गई सरकार भी कबूल करती है अपनी रिपोर्ट में कि 6 व्यक्तियों की उस गोलीकांड में मृत्यु हुई और अनेक लोग घायल हुए। इस संबंध में मैं कहना चाहता हूँ कि शान्ति और सद्भाव की नगरी में काफी लोग परेशान हैं। यह पहली घटना इस तरह की है। पांच दिन वहां कर्फ्यु भी लगा दिया गया। बहुत सारे लोग जो घायल थे जो मर गये थे, लोगों का आरोप यह है कि उनकी डैड-बाइज़ को हटा दिया गया। अभी भी वहां पुलिस का आतंक कायम है। वहां लोगों को धमकियां दे रहे हैं ताकि पुलिस द्वारा किए गए गोलीकांड के खिलाफ कोई सबूत पेश नहीं कर सकें और गवाही नहीं दे सकें। तो यह वहां की 27 तारीख की जो घटना है (समय की घंटी) उसके बारे में लोगों ने मुझे बताया। यह आई०बी० इक्वायरी हो रही है या सी०बी०आई० की इक्वायरी हो रही है यह भी स्पष्ट नहीं है। लेकिन 29 तारीख को जो यह गोलीकांड हुआ है इसकी न्यायिक जांच करने का मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री जी ने ऐलान किया है। मैं आपके माध्यम से यह मांग करना चाहता हूँ....

اگرچہ جلال الدین انصاری تہار : :

اب سبھا ادھیکش مہودے۔ میں ایک دفعہ گھٹنا کی طرف آپ کے مادھیم سے اور سعد کے مادھیم سے سرکار کا دھیان آکر منت کرنا چاہتا ہوں۔ اتھما اسپیکنگ ٹکری میچ جو شکشا۔ شانسی اور سعد عباد نا کیلئے برسوں سے مشہور ہے اس ٹکری میں ۲۷ کی کو آئی۔ این۔ ٹی۔ پی کے نیشا انشری ریش تھواری کی ہتھیان کردی گئی جب وہاں ۳۰ تاریخ کو عام سبھا کی تیاری کر رہے تھے۔ میرا ایکٹو بنانا چاہتا ہوں کہ وہ اس مہم میں شریک ہو کر تیاری کر رہے تھے لیکن انکو

مٹا دیا گیا تھا۔ لیکن ان کے لیڈر بچے اور اسی کی تیاری میں ماں شالا د دیوی کے مندر کے پاس ایک گاڑی سے وہاں نیچے لوگوں سے ملنے گئے تھے۔ وہاں سے جب لوٹ رہے تھے تو سیمنٹ فیکٹری کے "سٹر گھٹنا پر جاری" کی جیب پہنچی۔ انکو وہاں روک کر اتنی بڑی طرح سے پٹائی کی کہ انکی اسپتال میں موت ہو گئی۔ میں وہاں خود بھی گیا تھا ۲۲ تاریخ کو۔ سیمنٹ فیکٹری کے سیدانے کسانوں اور مزدوروں کا چرچہ سمجھایا تھا۔ میں آپکو بتا دوں کہ وہاں

میری پادری کی کوئی پولیس نہیں ہے۔ لیکن جس طرح کی گھٹنا گھٹی اور انکی ہتھیان ہوئی اور وہاں کے لوگوں کا کہنا ہے۔ یہاں تک کہ پتر کاروں کا بھی کہنا ہے کہ انکا علاج اسپتال میں صحیح طریقہ سے نہیں کیا گیا اگر کیا جاتا تو بچ سکتے تھے۔ اسی کے ورور میں ۲۹ تاریخ کو ڈھولا گرام میں جو قریب پانچ چھ کلومیٹر دور ہے وہاں سے جیوس نکلا۔ اس وقت ہی سود بھاویک تھا۔ لیکن پولیس اور پرنسپل انکا شکریہ یاد دوسرے شعبوں میں میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ میرا سیمنٹ فیکٹری سے پرہیز کرنے کے ساتھ تھا۔ اس وقت میں جو کوئی دھوکا پانے کا نہیں کرتے اور وہ کارروائی کرنے کا انشوا سن دے کر نے چھوڑ کر نہیں دیتی

ڈسٹرکٹ میں کیا جاسکتا تھا۔ لیکن کوئی کرپشن  
ادھیکاری اور پیرشاسن کا ادھیکاری  
نہیں تھا اور وہ مجھے جب محتال پر لگی تو اسی  
وقت سرکٹنگ گارڈ کی گاڑی بھی پہنچ  
گئی۔ سواھیک ہے کہ جس پر اٹھو پ  
تھا پیٹ کرھتا کرنے کا تو ایسا جیسی  
قانون کہتا ہے کہ مجھے اگر مشعل ہو جائے  
تو اسکوھٹانے لیکے جیتا لونی دینی چاہئے  
ہوئی فائر کرنا چاہئے۔ اسکو گیس کا  
استعمال کرنا چاہئے۔ لیکن ایسا کچھ بھی  
نہیں کیا گیا۔ وہاں پر سر ۲ ملاؤندگو بیاں  
جلدی لگیں جو پولیس نے بھی قبول کیا  
ہے اور اس موقع پر وہ گھٹنا اسفل  
پر ہی مارے گئے جنہیں دو میمبر سیمنٹ  
فیکٹری کے مزدور اور تین راہ پر گئے  
ایک اور ویکٹی کی موت اسپتال میں  
ہو گئی سرکار بھی قبول کرتی ہے اپنی رپورٹ  
میں کہ ۹ ویکٹیوں کی اس کوئی کانڈ میں  
موت ہوئی۔ اور بہت سے لوگ گھائل  
ہوئے۔ اس صحیفہ میں میں کہتا  
چاہتا ہوں کہ ششانی اور سوبھا کوئی  
نگری میں کافی لوگ پریشان ہیں۔ یہ  
پہلی گھٹنا اس طرح کی ہے۔ پانچ دن وہاں  
کر فیو بھی لگا دیا گیا۔ بہت سارے لوگ جو  
گھائل تھے۔ جو مر گئے تھے لوگوں کا اڑو پ  
ہے کہ انہی ”ڈیڑ باڈیز“ کوھٹا دیا گیا۔

ابھی بھی وہاں پولیس کا آفتک قائم ہے۔  
وہاں لوگوں کو دھکیاں دے رہے ہیں۔  
تاکہ پولیس کوئی کانڈ سے خلاف کوئی ثبوت  
پیش نہیں کر سکیں اور گواہی نہیں دے  
سکیں۔

تو یہ وہاں کی ۲ تاریخ کی جو گھٹنا  
ہے... ”وقت کی گھنٹی“... اسے بارے  
میں لوگوں نے مجھے بتایا۔ یہ آئی پی  
انکوائری ہو رہی ہے وہ بھی اسپیشل  
ہیں ہے۔ لیکن ۲۹ تاریخ کو جو یہ کوئی  
کانڈ ہوا ہے اسکی عدالتی جانچ کرنے  
کا مدھیہ پردیش کے مکھیہ منتری جس نے  
اعلان کیا ہے۔ میں آپکے مادھیہ سے  
یہ مانگ کرتا ہوں [۰۔۔۔۔]

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोशी): थोड़ा रुकिए।  
एक वज रहा है। भोजन अवकाश का समय है। मैं  
सदन का अभिमत जानना चाहता हूँ... (व्यवधान)  
लीडर आफ आपोजीशन क्या कह रहे हैं।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (राजस्थान): अभी भोजन  
अवकाश करके बचे हुए कालिंग अटेंशन और स्पेशल  
मेशन पांच वजे शुरू कर दें।

श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिन्दे (महाराष्ट्र):  
स्पेशल मेशन को ले लीजिए।

श्री सोमपाल (उत्तर प्रदेश): ये बहुत आवश्यक  
है। आज के लंच को छोड़ दिया जाए। ये जरूरी है।

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोशी): लीडर आफ  
अपोजीशन क्या कहते हैं। सिकन्दर बख्त साहब का क्या  
सुलाय है?

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): मैं क्या  
कह सकता हूँ... (व्यवधान) जीरो आवर पूरा कीजिए।  
जो मेशनस रह गए हैं उनको पूरा करवा दीजिए।

آتشیاور ودھی دل شری سلکدرخت:  
میں کیا کہہ سکتا ہوں۔ "ہمراخت"۔  
نہرو اور پورا کیسے جو مینشن  
رہ گئے ہیں ان کو پورا کیسے

श्री सतीश प्रधान (महाराष्ट्र): और स्पेशल मेन्शन का क्या करना है।

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): जीरो आवर अभी लेते हैं। अब आप लोगों की सहमति है तो भोजन अवकाश नहीं करेंगे और पांच बजे के बाद स्पेशल मेन्शन लिए जा सकते हैं। प्राइवेट मेम्बर्स ढाई बजे से चालू करें और पांच बजे के बाद विशेष उल्लेख। अब आप संक्षेप में समाप्त करें।

श्री जलालुद्दीन अंसारी: मैं चाहता हूँ कि 27 और 29 तारीख के जो प्रकरण हैं — इस पूरे प्रकरण की जांच सी०बी०आई० से करायी जाए और जो लोग मारे गए हैं उनके परिवार वालों को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए और जो गोलीकांड के जिम्मेवार अधिकारी हैं जिनकी मौजूदगी में गोली कांड सम्पन्न कराया गया है — उनके निर्देश से — उन सारे अधिकारियों को तत्काल मुअत्तल किया जाए और उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाए। यह हमारी मांग है और हम आपके माध्यम से चाहेंगे कि केंद्र सरकार भी और एज सरकार भी देखें कि इस तरह की वारदातें न हों और दोषी लोगों को इसकी सजा मिले तथा भविष्य में भी इस तरह की घटनाएँ नहीं घटें। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ।

آتشری جلال الدین انصاری: میں  
چاہتا ہوں کہ ۲۷ اور ۲۹ تاریخ کو جو  
بزرگ ہیں اس پر پورے زور سے کاربند کی جانے

[T] Transliteration in Arabic Script

سہی۔ بی۔ آئی۔ سے کرائی جائے اور  
جو لوگ مارے گئے ہیں ان کے پروردگاروں  
کو پانچ پانچ لاکھ روپے کا صلہ دیا جائے  
اور جو گوئی گاڑنے کے ذمہ دار ادھیکار  
ہیں جنکی موجودگی میں گوئی گاڑنے سمین  
کرایا گیا ہے انکے نزدیک سے۔ ان کے  
ادھیکار یوں کو فوراً معطل کیا جائے  
اور ان کے خلاف مقدمہ چلا دیا جائے تو  
یہ ہماری مانگ ہے۔ چاہے پہلے سے مادھیم سے  
چاہیں گے کہ کینڈر سرکار بھی لاؤ راجہ  
سرکار بھی دیکھیں کہ اس طرح کی وارداتیں  
نہ ہوں۔ اور دوشی لوگوں کو اسکی سزا  
میں اور جوشے میں بھی اس طرح کی سختی  
نہ لگائیں۔ انھیں شہدوں کے ساتھ میں اپنی  
بات ختم کرتا ہوں]

#### RE. SINKING OF SHIPS IN MUMBAI AND CALCUTTA PORTS

SHRI NARENDRA MOHAN (UTTAR PRADESH): Mr. Vice-Chairman, Sir, I wish to draw the attention of this august House and of this Government to the two great accidents which have taken place on our coast. They relate to the sinking of the ship "Arcadia Pride" in the vicinity of the Mumbai Port on 19th June resulting in the loss of 24 human lives. The second is the Korean freighter "MV-Green Opal" in the vicinity of the Calcutta Port, that is, in Hooghly.

Mr. Vice-Chairman, both these accidents have occurred because of mismanagement, corruption, faulty rules and regulations, lack of marine discipline